# MAHD–01

## December – Examination 2022

## M.A. (Previous) Examination

## HINDI

## (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

## Paper : MAHD-01

*Time : **3** Hours ]* *[ Maximum Marks : **80***

**निर्देश :-** यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

### खण्ड—अ 8×2=16

### (अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :-** सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

   (i) किन्हीं **तीन** रासो ग्रन्थों के नाम लिखिए।

   (ii) विद्यापति की 'पदावली' किस भाषा में रचित है ?



### खण्ड—स 2×16=32

### (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :-** किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. घनानंद का काव्य प्रेम और सौन्दर्य की अनुभूति का श्रेष्ठ काव्य है। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

11. पद्माकर के काव्य में प्रकृति-चित्रण विविध रूपों में हुआ है। स्पष्ट कीजिए।

12. बिहारी के काव्य में शृंगार, नीति तथा भक्ति की त्रिवेणी प्रवाहित हुई है। उदाहरण सहित समझाइये।

13. मीरा के काव्य में लोकतत्व पर प्रकाश डालिए।

(iii) कबीरदास भक्तिकालीन की किस काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि हैं ?

(iv) जायसी की रचनाओं के नाम लिखिए।

(v) तुलसीदास के बचपन का नाम क्या था ?

(vi) अष्टछाप के कवियों के नाम लिखिए।

(vii) भूषण की कविता में कौनसा रस है एवं उनके काव्य की मुख्य विशेषता क्या है ?

(viii) मीरा की भक्ति किस प्रकार की थी ?

**खण्ड—ब** **4×8=32**

**(लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

नन्दक नन्दन कदम्बे तरुतरे टरलि बोलाव
समय संकेत निकेतन वइसल बेरि बेरि बोलि पठाव।
सामरी तोरा लागि अनुखने बिकल मुरारि॥
जमुनाक तिर उपवन उदवेगल फिरि फिरि ततहि निहारी।
गौरस बिके निके अबइते जाइते जनि जनि पुंछ वनवारि॥
तोहे मतिमान सुमति मधुसूदन वचन सुनह किछु मोरा।
भनइ विद्यापति सुन वरजौवति वन्दहु नन्दकिसोरा॥



3. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मोकों कहाँ ढूँढें बन्दे, मैं तो तेरे पास में।
ना मैं खेल ना मैं मसजिद ना काबे कैलास में।
ना तो कौनो क्रिया-कर्म में, नहीं योग बैराग में।
खोजी होय तो तुरतै मिलिहौं, पल भर की तलाश में
कहैं कबीर सुनो भई साधौं, सब स्वासन की स्वाँस में।

4. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

तेरी म्हां तो दरद दिवाणी म्हांरा दरद णा जाण्या कोय।
घायल री गत घायल जाण्यां हिवडो आस संजोय।
जौहर कीमत जौहरा जाण्यां क्या जला जिण खोय।
दरद री मार्‌या दर दर डोल्यां बैद मिल्या णा कोय
मीरा री प्रभु पीर मिटांगा जद बैर सांवरो होय

5. कबीर की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

6. "तुलसी का काव्य समन्वय की विराट् चेष्टा है।" इस कथन के आलोक में तुलसी की समन्वय भावना पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

7. सूरदास की भक्ति भावना की विशेषताएँ लिखिए।

8. "भूषण के काव्य में राष्ट्रीय चेतना कूट-कूटकर भरी है।" इस कथन की तर्क सहित विवेचना कीजिए।

9. जायसी की विरह में सात्विकता है। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।